राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Class - 2

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

राजस्थानी मुहावरे कहावतें

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लास

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

- Click Here

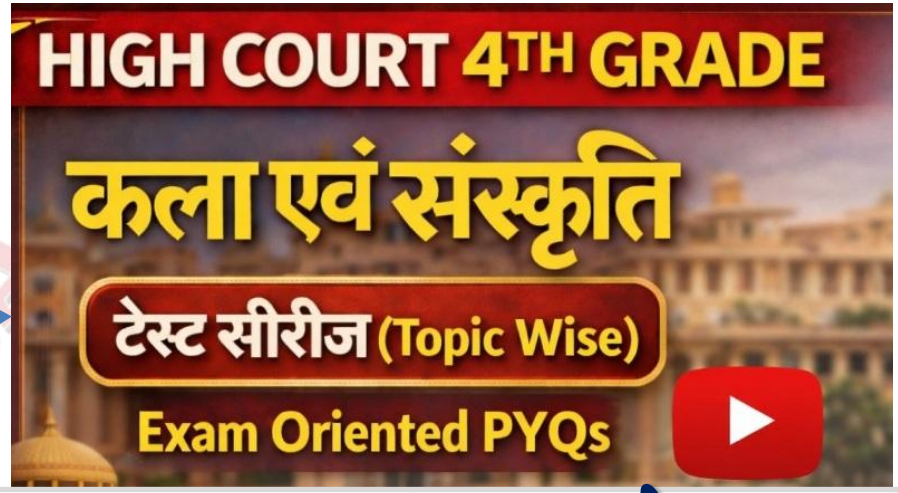

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

- छीकां नाँखणो - अर्थ-चुभती बात कहना।
- ज्वांई रो घोड़ो अर सासू सरणाटा करै - किसी पराए के धन-वैभव पर अन्य द्वारा गर्व किया जाना।
- जल को डूब्यो तिर कर निकलै, तिरिया डूब्यो बह जाय - जल का डूबा बच कर निकल सकता है लेकिन जो नारी में आसक्त है, वह अवश्य डूब जाता है।
- झाड़ू फेरणो - बिल्कुल नष्ट कर देना।
- टाँग ऊपर राखणी - अपने विचारों को प्राथमिकता देना।
- ठार-ठारनै खाणो - हर कार्य में धैर्य रखना नितांत आवश्यक है।
- डूंगर माथे छाया करणी - बड़े आदमी की मदद करना।

- ढांढ़ा मारण, खेत सुकावण, तूं क्यूँ चाली आधे सावण - आधा सावन बीत जाने पर मनोरम हवा का चलना पशुओ और खेती हेतु नुकसानदायक होता हैं।
- ताकी मिलाणी - साँठ-गाँठ करना।
- ताखड़ी धरम जांणें नैं जात - जाँच करने पर सत्य का पता चल जाएगा।
- दूधंती गाय री लात सेवणी पड़े - दूध देने वाली गाय की लात सहनी पड़ती हैं।
- दमड़ी री डोकरी नैं टकौ सिर मुंडाई रौं - कम मूल्य की वस्तु पर अधिक व्यय।
- दिन घरै आणा - अनुकूल समय आना।
- धोरा किण रो अहसाण राखैं - योग्य तथा बड़े आदमी किसी का अहसान नहीं रखते हैं।
- धीणोड़ कै सागै हीणोड़ी मर ज्याय - दुधारी गाय के साथ बिना दूधवाली को कोई नहीं पूछता।

- नगारा रो ऊँट - निर्लज्ज, ढीढ।
- आक में ईख, फोग में जीरो-बुरे कुल में सज्जन व्यक्ति का जन्म।
- अक्कल सैं खुदा पिछाणों-वस्तु को बुद्धि से समझो।
- अण देखी नैं दोख, बीनैं गति न मोख- जो निरपराध पर दोष लगावे, उसे गति या मोक्ष कुछ नहीं मिले।
- आप कमाया कामड़ा, दई न दीजैं दोस - अपने किए हुए कर्मों के लिए ईश्वर को दोषी नहीं ठहराना चाहिए।
- आप माँ बिना सुरग कठैं - अपने हाथ से काम करने पर ही पूरा होता है।
- आम फळैं नीचों नवैं, अरंड आकासाँ जाय- सज्जन व्यक्ति सामर्थ्य पाकर विनम्र बनते हैं, दुष्ट व्यक्ति सामर्थ्य पाकर घमण्डी होते हैं।

- अम्बर राच्यो, मेह माच्यो - लाल आसमान वर्षा का सूचक हैं।
- असीं रातौं का अस्या ही तड़का - बुरे कार्यों का नतीजा भी बुरा ही होता हैं।
- ओसर चूकी डूमणी, गावें आळ-पाताळ - लक्ष्य से भटका हुआ व्यक्ति सार्थक कार्य नहीं कर सकता।
- आख्याँ फाटणी - आश्चर्यचकित होना।
- आग में घी-पूकौं नाँखणौं - लड़ाई-झगड़े को तीव्र करना।
- औंसर चूक्या, फेर मौंसर नहीं मिलें - अवसर चूक जाने पर दुबारा हाथ नहीं आता।
- अम्मर पीको में सीको - आसमान का पीला होना वर्षा का सूचक हैं।

- उल्टो पाणी चीलाँ चढ़े - अनहोनी की आशंका को व्यक्त करता हैं।
- कीड़ी संचें तीतर खाय, पापी को धन पर लें जाय- पाप की कमाई कभी नहीं फलती।
- कमेड़ी की माँ उरैंसी, पूत की माँ परैंसी - निर्बल, सबल को नहीं जीत सकता।
- खाणें में दकिया, मिनखां में थकिया - भोजन में दलिया व मनुष्यों में थली के लोग ठीक होते हैं।
- घणूं बक करया घूंडो पड़े - खींचतान से वैर बढ़ता हैं।
- गरज बापकी गूजरी न्यूत जिमावें खीर - अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति कुछ भी त्याग करने को तत्पर तैंयार रहता हैं।

- गकैं टूम्पो आवणो - संकट में पड़ना।
- गाँव तो बकैं अर डूम नैं तिवारी भावैं - विपत्ति में भी लाभ नहीं छोड़ना।
- घर का गोके आवे पावणा ने पॉली भावे – स्वयम के लिए भी पूर्ति नहीं होना
- गोयरा रा पाप सूँ पीपकी बलैं -दुष्ट व्यक्ति की संगति से सज्जन को भी हानि झेलनी पड़ती हैं।
- घूंगटां सैं सती नहीं, मुंडायाँ सैं जती नहीं - कोई स्त्री घूँघट निकालने से ही भली नहीं हो जाती और मुंडन करवाने से ही कोई संन्यासी नहीं हो जाता।
- चीकणी रोटी रे चिपकणों - धनवान से सभी लोग कुछ लेने की इच्छा करते हैं।

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

- Click Here

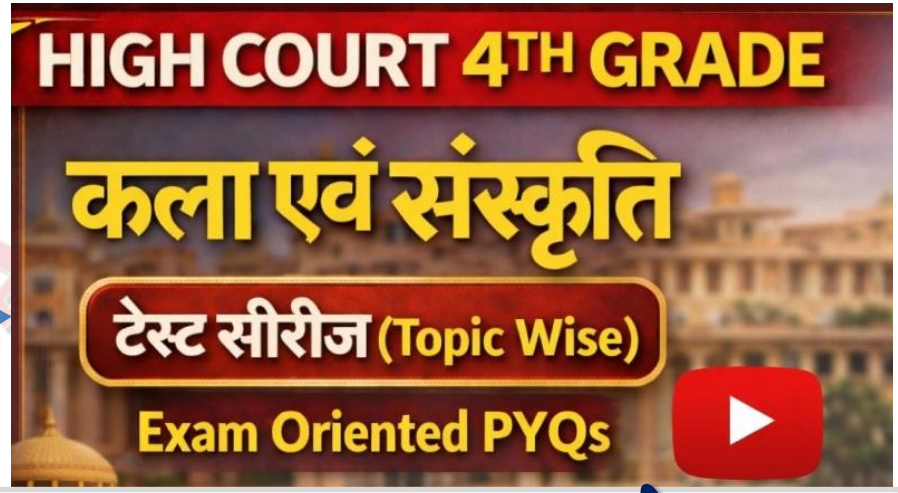

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज